खण्ड-07 सत्र-03 (भाग-03) अंक-29

मंगलवार 30 अगस्त, 2022
08 भाद्रपद, 1944 (शक)

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्यमेव जयते

सातवीं विधान सभा

तीसरा सत्र

अधिकृत विवरण

(खण्ड-07 सत्र-03 (भाग-03) में अंक 27 से अंक 31 तक सम्मिलित हैं)

दिल्ली विधान सभा सचिवालय
पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054

सम्पादक वर्ग

EDITORIAL BOARD

राज कुमार

सचिव

RAJ KUMAR

Secretary

महेन्द्र गुप्ता

उप-सचिव (सम्पादन)

MAHENDRA GUPTA

Deputy Secretary (Editing)

विषय सूची

सत्र-3 (भाग-3) मंगलवार, 30 अगस्त, 2022/08 भाद्रपद, 1944(शक) अंक-29

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची	1-2
2.	सदन में अव्यवस्था	4-11
3.	नियम 270(1) के तहत माननीय उप-मुख्यमंत्री का वक्तव्य	12-29

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-3 (भाग-3) मंगलवार, 30 अगस्त, 2022/08 भाद्रपद, 1944(शक) अंक-29

दिल्ली विधान सभा

सदन पूर्वाह्न 11.00 बजे समवेत हुआ।

निम्नलिखित सदस्य सदन में उपस्थित हुए:

1 श्री अजेश यादव
2 श्री अखिलेश पति त्रिपाठी
3 श्रीमती ए धनवती चंदीला ए
4 श्री अजय दत्त
5 श्रीमती आतिशी
6 श्री अब्दुल रहमान
7 श्रीमती बंदना कुमारी
8 सुश्री भावना गौड़
9 श्री बी. एस. जून
10 श्री धर्मपाल लाकड़ा
11 श्री दुर्गेश पाठक
12 श्री गिरीश सोनी
13 श्री हाजी युनूस
14 श्री जय भगवान
15 श्री जरनैल सिंह
16 श्री करतार सिंह तंवर
17 श्री कुलदीप कुमार
18 श्री मुकेश अहलावत

19 श्री महेन्द्र यादव
20 श्री नरेश यादव
21 श्री पवन शर्मा
22 श्रीमती प्रीति जितेंद्र तोमर
23 श्री प्रवीण कुमार
24 श्रीमती प्रमिला धीरज टोकस
25 श्री प्रकाश जारवाल
26 श्री ऋतुराज गोविन्द
27 श्री रघुविंदर शौकीन
28 श्री राजेश गुप्ता
29 श्री राजकुमार आनन्द
30 श्रीमती राजकुमारी ढिल्लों
31 श्री राजेश ऋषि
32 श्री रोहित कुमार
33 श्री शरद कुमार चौहान
34 श्री संजीव झा
35 श्री सोम दत्त
36 श्री शिव चरण गोयल
37 श्री सोमनाथ भारती
38 श्री सौरभ भारद्वाज
39 श्री सही राम
40 श्री एस. के. बग्गा
41 श्री सुरेंद्र कुमार
42 श्री वीरेंद्र सिंह कादियान
43 श्री अभय वर्मा
44 श्री अनिल कुमार बाजपेयी
45 श्री अजय कुमार महावर
46 श्री जितेंद्र महाजन
47 श्री मदन लाल
48 श्री मोहन सिंह बिष्ट
49 श्री ओम प्रकाश शर्मा
50 श्री प्रलाद सिंह साहनी
51 श्री शोएब इकबाल
52 श्री विजेंद्र गुप्ता
53 श्री विशेष रवि

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-3 (भाग-3) मंगलवार, 30 अगस्त, 2022/08 भाद्रपद, 1944 (शक) अंक-29

दिल्ली विधान सभा

सदन पूर्वाह्न 11.00 बजे समवेत हुआ।

माननीया अध्यक्ष महोदय (श्रीमती राखी बिरला) पीठासीन हुई।

माननीया अध्यक्ष: मेरा सभी सदस्यों से निवेदन है ये प्ले-कार्ड्स अंदर रखें। पक्ष और विपक्ष के साथियों से मेरी प्रार्थना है

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्ष: अंदर रखिये, राजेश गुप्ता जी बैठिये।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्ष: विपक्ष और पक्ष के साथियों आप सब लोगों से मेरी प्रार्थना है एक बार बैठकर शांतिपूर्वक, दो दिन से सदन चल रहा है लेकिन किसी विषय पर चर्चा नहीं हो रही कोई निष्कर्ष नहीं निकल रहा आप लोग बैठिये। ये प्ले-कार्ड्स अंदर रखें आप लोग भी अंदर रखें।

(पक्ष और विपक्ष के सभी सदस्य वैल में आ गये)

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः ये वैल में किस लिए।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः ये कोई तरीका नहीं है। अपनी बात कहने का ये कोई तरीका नहीं है। ये कोई भी तरीका नहीं है। 12 बजे तक सदन की की कार्यवाही को स्थगित किया जाता है 12 बजे तक।

(सदन की कार्यवाही मध्याह्न 12.00 बजे तक के लिए स्थगित की गई।)

सदन मध्याह्न 12.00 बजे पुनः समवेत हुआ।

माननीया अध्यक्ष महोदया (श्रीमती राखी बिरला) पीठासीन हुईं।

माननीया अध्यक्षः ये प्ले-कार्ड्स सब लोग अंदर रखें। ये प्ले-कार्ड्स सब लोग अंदर रखें।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः सौरभ जी, सौरभ भारद्वाज जी। ये प्ले-कार्ड्स सब लोग अंदर रखें।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः ये कोई तरीका है बिधूड़ी जी। बिधूड़ी जी ये कोई तरीका है आप बैठो। बैठो ये प्ले-कार्ड्स अंदर रखो। कल सारा दिन ऐसे ही सदन

की कार्यवाही खराब हुई आज भी आप। सौरभ भारद्वाज जी ये प्ले-कार्ड्स अंदर रखवाइये एक बार। एक बार अंदर रखवाइये सबको बैठाईये। एक बार सबको बिठाइये। बिधूड़ी जी मेरा विशेष निवेदन है विपक्ष के साथियों को एक बार बिठाइये। एक बार बिठाइये वो भी बैठेंगे। बैठेंगे वो भी आप इन्हें भी बिठाइये। बिधूड़ी जी सदन चलने दीजिए, सदन चलवाइये, सदन को चलाने में सहयोग करें। विजेन्द्र गुप्ता जी, अजय दत्त जी सीट पर चलें वैल में न आएं। अखिलेशपति त्रिपाठी जी, दिलीप पाण्डेय जी सबको सीट पर भिजवाने का काम करें। दिलीप पाण्डेय जी सबको वैल से निकालें। दिलीप पाण्डेय जी सबको सीट पर भिजवाने का काम करें। ऋतुराज झा जी सीट पर चलें, राजेश गुप्ता जी सीट पर चलें। सीट पर चलें अनुशासन और मर्यादित आचरण। अजय दत्त जी ये क्या तरीका है, अजय दत्त जी सीट पर चलें। विजेन्द्र गुप्ता जी सीट पर चलें। बिधूड़ी जी सदन चलाने में थोड़ा सहयोग करें। विजेन्द्र गुप्ता जी, अभय वर्मा जी, सुरेन्द्र चौधरी जी। दिलीप पाण्डेय जी सबको सीट पर भेजिये, वैल में से सबको सीट पर भेजिये।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः वाजपेयी जी ये क्या है आप प्रोटेस्ट कर रहे हैं या आप हंस रहे हैं अनिल वाजपेयी जी। कुलदीप जी सीट पर चलें, लाकड़ा जी स्थान पर जाएं, हाजी युनुस जी अपनी सीट पर जाएं, ये कौन खड़े हैं। अजय दत्त जी आपको हिन्दी समझ नहीं आ रही। अजय दत्त जी, अजय दत्त जी। विजेन्द्र जी ये कोई तरीका है। आप इतने सीनियर सदस्य हैं। विजेन्द्र जी ये कोई तरीका है। पहले आप वहां बैठिए। विजेन्द्र गुप्ता जी, जा रहे है आप भी चलिए।

विजेन्द्र गुप्ता जी आप बहुत सीनियर और अनुशासित सदस्य हैं। विजेन्द्र गुप्ता जी बैठिए। बैठिए सब लोग। ये प्ले कार्डस अंदर रखिए। ये प्ले कार्डस अंदर रखिए। अजय दत्त जी बैठिए। राजेश गुप्ता जी बैठिए। विजेन्द्र गुप्ता जी।

(सत्ता पक्ष के सदस्य वैल में आ गए)

माननीया अध्यक्षः बैठिए आप। वो बैठे हुए हैं ना। खडे क्यूं हैं। ये सब लोगों से मेरी प्रार्थना है प्ले कार्डस अंदर रखें और सदन की कार्यवाही चलने दें। अजय दत्त जी मैं बोल रही हूं ना। आपके बोलने की ज्यादा जरूरत पड़ जाती है। आप लोग भी अंदर रखें। सौरभ भारद्वाज जी।

श्री सौरभ भारद्वाजः अध्यक्षा महोदय।

माननीया अध्यक्षः अजय दत्त जी। दो मिनट रूकिए मैने कोई रूलिंग दी है। कुछ करा है अभी। शान्ति बनाने के लिए, बात करने के लिए, समन्वय स्थापित करने के लिए ही आप लोगों से सुबह से ही निवेदन कर रहे हैं लेकिन दोनों पक्षों में कोई मानकर राजी नहीं है। हां जी।

श्री सौरभ भारद्वाजः अध्यक्षा महोदय, कल सदन के अंदर दुर्गेश पाठक जी ने एक बड़ा महत्वपूर्ण विषय रखा है और हम ये कह रहे हैं कि बस इसके अंदर जांच होनी चाहिए। हम कोई बड़ी बात नहीं मांग रहे इसके अंदर। इसमें सिर्फ जांच की डिमांड कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि इस पर विपक्ष के साथियों को कोई दिक्कत होनी चाहिए।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः अगर मैं उनको बुलवा रही थी तो आपको भी बुलवाती।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः ये क्या तरीका है। ये कोई तरीका नहीं है। ये कोई तरीका नहीं है। आप वहां से बोले। क्या जांच चाह रहे हैं, क्या नहीं चाह रहे हैं। ये कोई तरीका नहीं है। ये कोई भी तरीका नहीं है। ये कोई भी एक... ये किसी भी प्रकार का अनुशासित तरीका नहीं है। ये कोई तरीका नहीं है। ये बेहद गलत है। ये बेहद गलत आचरण है। आप लोग सब अपनी-अपनी सीट पर जाएं। अपने-अपने स्थान पर जाएं आप सब लोग। कुलदीप जी आप अपने स्थान पर जाएं। कुलदीप जी, प्रकाश जी, अमानत जी अपनी सीट पर जाएं। अपनी सीट पर जाएं आप लोग।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः ये कोई तरीका है। आप लोग अपनी सीटों पर जाएं। ये क्या तरीका है। इनका नाम क्या है? फोन दीजिए आप अपना। मुरूगन जी फोन जब्त करिए। क्या है। सीटों पर चलें अपने। ले लिया है न, क्यूं शोर मचा रहे हैं। सीट पर बैठिए आप लोग। ये बिल्कुल भी सही तरीका नहीं है। सदन की कार्यवाही एक बजे तक स्थगित की जाती है और मेरा निवेदन है कि एक बजे जब मैं आऊँ तो अनुशासित तरीके से आप लोग सहयोग करें। बहुत-बहुत धन्यवाद।

(सदन की कार्यवाही दोपहर एक बजे तक के लिए स्थगित की गई)

सदन दोपहर 1.00 बजे पुनः संवेत हुआ

माननीया अध्यक्ष महोदया (श्रीमती राखी बिरला) पीठासीन हुईं।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः ये आप लोग दो मिनट बैठ तो जाया करो, सुन तो लिया करो। ये कोई तरीका है बताओ। इधर सत्ता पक्ष, विपक्ष। आप लोग एक बार बैठकर बात तो सुन लें, समझ लें। सुबह से ये तीसरी बार है। आप एक बार बैठिये। अपनी अपनी सीटों पर चलें। माननीय सदस्य, सभी लोग अपनी अपनी सीटों पर चलें।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप सब लोग अपनी अपनी सीटों पर चलें। अनिल बाजपेयी जी, ऋतुराज जी अपनी अपनी सीटों पर चलें, उपकार जी अपनी सीट पर चलें।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः अपने अपने स्थानों पर पहुंचे आप लोगों से विनती है।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः सोम दत्त जी स्थान पर जाएं। जय भगवान उपकार जी अपनी सीट पर चलें। अमनात जी अपने सीट पर चलें। अजय दत्त, ऋतुराज जी अपनी सीट पर चलें। अजय महावर जी अपने स्थान पर जाएं।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः पहले आप बैठेंगे तभी तो वो बैठेंगे। सदन चलाने में सहयोग करें। सदन की कार्यवाही चलाने में सभी सदस्य सहयोग करें। ऋतुराज

जी, रोहित महरौलिया जी अपनी सीट पर चलें। अजय दत्त जी सीट पर चलें। अजय दत्त जी... अपनी अपनी सीट... कुलदीप जी, कुलदीप जी सीट पर चलें। अजय महावर जी, अभय वर्मा जी सीट पर चलें। अपने अपने स्थान पर जाएं। सौरभ भारद्वाज जी अपने स्थान पर जाएं, अपने स्थान पर जाएं। भावना जी अपने स्थान पर जाएं। सौरभ जी अपने स्थान पर जाएं, यहां नहीं। अपने सीट पर जाएं। सब लोग अपनी सीट पर जाएं। सभी सदस्य अपनी अपनी सीट पर बैठें।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप सब लोग अपनी अपनी सीट पर बैठें। प्रीति जी आप बहुत अनुशासित हैं। राजकुमारी जी आप भी बहुत अनुशासित हैं, बैठें अपनी सीट पर। अपनी सीटों पर चलें। अनिल बाजपेयी जी यहां आ जाइए, नहीं आ जाइए, रोहितजी आप भी यहां आ जाइए। अपने अपने स्थानों पर पहुंचिए। अपने अपने सीटों पर जाइये।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः एक यही जगह रह गयी है फिर बस।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः संजीव झा जी, सीट पर चलें अपनी। अपनी सीट पर चलें। आप भी चौधरी साहब अपनी सीट पर चलें। आप भी ऋतुराज जी।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः अपनी अपनी सीटों पर चलें।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः रोहित जी, सीट पर चलें। सीट पर चलें अपनी। धनवंती जी अपनी जगह पर बैठें। भावना जी अपनी जगह पर चलकर बैठैं, प्रीति जी अपनी जगह पर चलें। राजकुमारी अपनी सीट, जनरैल जी अपनी सीट पर बैठें। सोमनाथ भारती जी आप बहुत अनुशासित, सबसे अनुशासित सदस्य हैं आप सोमनाथ भारती जी अपने स्थान पर चलें। ऋतुराज जी आपको बिल्कुल सुनाई नहीं दे रहा। आपको बिल्कुल सुनाई देता, अपने सीट पर जाएं। आप सब लोग अपनी सीट पर जाएं।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः संजीव झा जी...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः कोई तरीका है। ये किसी भी प्रकार का कोई तरीका है। ये कोई तरीका नहीं है। ये कोई भी तरीका नहीं है। ये कोई भी तरीका नहीं है, अपनी अपनी सीटों पर चलें आप लोग।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः अनिल बाजपेयी जी आप अपनी अपनी सीटों पर चलें। अपनी सीटों पर चलें।

...व्यवधान...

(सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के अधिकांश सदस्य वेल में आकर प्ले कार्ड दिखाते हुए नारेबाजी करने लगे)

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप अपनी-अपनी सीटों पर चलें। अपनी सीटों पर चलें। ये कोई तरीका है। तुम सुन तो लो ऋतुराज। सीट पर चलो। आप दोनों, तीनों लोग सीट पर चलें। संजीव आप लोग सीट पर चलिये। आप लोग अपनी अपनी सीट पर जायें। चौधरी साहब आप सबसे सीनियर लोग हैं। हाँ तो वहाँ जाकर अपनी बात रखिए न। अपने विषय को वहाँ जाकर रखिये। अपने विषय को अनुशासित तरीके से रखें। दिलीप पाण्डेय जी शान्त कराइए। वैल में से सभी को अपनी सीटों पर भेंजे। दिलीप पाण्डेय जी सबको अपनी सीटों पर भेजने का काम करें। सत्ता पक्ष के साथियों को। अजय दत्त जी सबसे पहले आप अपनी सीट पर जायें। आप अपनी सीट पर जायें अजय दत्त जी। तरीका ठीक नहीं है ये बिल्कुल भी। सोमनाथ भारती जी, सोमनाथ भारती जी, जरनैल जी, अजय दत्त जी अपनी सीटों पर जायें। अपनी-अपनी सीटों पर जायें। अपनी सीटों पर जायें। अपनी सीटों पर बैठिए। सब लोग अपनी-अपनी सीटों पर बैठिए। सदन की कार्रवाई को सुचारू रूप से चलाने के लिए सहयोग करिये। सहयोग करिये सुचारू रूप से कार्रवाई चलाने के लिए। राजकुमारी जी सीट पर बैठें। राजकुमारी ढिल्लन जी सीट पर बैठें आप। आधे घंटे के लिए सदन की कार्रवाई को फिर मैं स्थगित करती हूं।

(सदन की कार्यवाही आधे घण्टे के लिए स्थगित की गई।)

सदन अपराह्न 1.45 बजे पुनः समवेत हुआ।

माननीया अध्यक्ष महोदय (श्रीमती राखी बिरला) पीठासीन हुईं।

माननीया अध्यक्षः देखिये कल से बहुत ही ज्यादा पक्ष और विपक्ष के साथी बार–बार हंगामा करने की वजह से मैं सदन को ठीक से नहीं चला पा रही हूं। अब माननीय उप–मुख्यमंत्री नियम–270 (1) के मुताबिक अपना वक्तव्य देंगे। माननीय उप–मुख्यमंत्री जी।

माननीय उप–मुख्यमंत्रीः बहुत–बहुत धन्यवाद अध्यक्षा महोदय, मेरे अनुरोध पर नियम–270 के तहत।

माननीया अध्यक्षः आप लोगों से सुबह से इस बात की। पहले आप सब लोग बैठिए। रूलिंग सुन लीजिए। बैठ जाइए। बिष्ट साहब बैठिए। आप लोगों से सुबह से सबसे प्रार्थना की जा रही थी, निवेदन किया जा रहा था कि सहयोग करिये सदन को चलाने में। जो भी अपनी बात रखना चाहता हैं मैं पूरा समय दूंगी। उस बात को सुनूंगी लेकिन किसी ने किसी भी प्रकार का सहयोग नहीं करा जिसकी वजह से मुझे सुबह से सदन को एक–एक घंटे के लिए स्थगित करना पड़ा। पहली बात। दूसरी बात आप लोग रूल–270 पढ़िए। रूल–270 ये कहता है कि किसी भी वाद–विवाद में अगर मंत्रिपरिज़द में से कोई भी मंत्री अपना वक्तव्य रखने के लिए अनुमति मांगता है तो चेयर को अनुमति देनी पड़ेगी नियम–270 के तहत। उसी रूल को फॉलो करते हुए अभी माननीय उप–मुख्यमंत्री जी के वक्तव्य को हम लोग सुन लेते हैं। आपकी जो बात होगी इसके बाद फिर मैं उसको सुनूंगी और उस पर जो भी रूलिंग होगी, जो भी विचार–विमर्श होगा फिर वो आपके समक्ष रख दिया जायेगा। ठीक।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः तरीका ठीक नहीं है। बिष्ट साहब, पहले ये बताईये आप। बिष्ट साहब नहीं, बिष्ट साहब मेरी एक लाईन सुन लीजिये, बिष्ट साहब मेरी एक लाईन सुनिये। मुझे लगता है आप अपने शब्दों को और अपनी बात को चेयर तक पहुंचाने में सक्षम हैं, बाकी चार लोग क्यूं खड़े होते हैं, क्या मैं आपकी आवाज नहीं सुन सकती, या आप अपनी बात नहीं पहुंचा सकते। पहुंचा सकते हैं न, बोल सकते हैं, मुझे बता सकते हैं, क्यूं खड़े होते हैं ये लोग।

श्री मोहन सिंह बिष्टः मैडम मेरा अलग विषय है।

माननीया अध्यक्षः तो आपके विषय को सुनने के लिये मना नहीं किया, बिष्ट साहब मैंने आपके विषय को।

श्री मोहन सिंह बिष्टः आपको अपनी रूलिंग देनी चाहिये।

माननीया अध्यक्षः पहले मैंने एक रूलिंग दी। अगर मैंने किसी।

श्री मोहन सिंह बिष्टः यदि वास्तव में आप सदन को चलाना चाहते थे तो एक तीन दिन का सदन बुलाते। उसका 3 दिन का नोटिस करते, हम 3 दिन के अंदर अपना क्वेश्चन भी रख सकते थे, अपना 280 भी रख सकते थे, अल्पकालिक चर्चाओं पर भी बात कर सकते थे लेकिन उसकी आवश्यकता ही नहीं थी।

माननीय उप-मुख्यमंत्रीः बहुत बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय। मैं।

माननीया अध्यक्षः सुन लीजिये न बिष्ट साहब, आपकी बात आ गयी, आपकी बात मेरे पास आ गयी मैंने क्या बोला, जब मैंने रूल 270 का हवाला देते हुए माननीय उप मुख्यमंत्री जी को बोलने के लिये कहा है तो मैंने क्या

कहा है जब इनका वक्तव्य खत्म हो जायेगा तो मैं आपके जो विचार आये हुए हैं उसको संज्ञान में लूंगी। तो आपको बैठ जाना चाहिये न, ये बैठ जायें अजय महावर जी। बहुत गलत बात है। बहुत गलत बात है, बहुत ही ज्यादा। पिछला डेढ दिन आप लोगों ने इसी वाद विवाद में खराब करा है। इनको समझाईये। बोलिये माननीय-उप मुख्यमंत्री जी।

माननीय उप-मुख्यमंत्रीः अध्यक्ष महोदय, बार बार

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः गलत बात, बहुत गलत बात, बैठ जाईये। आप लोग बैठ जाईये।

माननीय उप मुख्यमंत्रीः पिछले कुछ दिनों से कहा जा रहा है कि प्रश्नों के जवाब दीजिये, प्रश्नों के जवाब दीजिये।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः बैठ जाईये आप लोग।

...व्यवधान...

माननीय उप मुख्यमंत्रीः अध्यक्षा महोदय, बार बार पिछले कुछ दिनों से कहा जा रहा है प्रश्नों के जवाब दीजिये, प्रश्नों के जवाब दीजिये। कल इनकी पार्टी के अध्यक्ष साहब हैं आदरणीय जे.पी. नड्डा जी, उन्होंने भी कहा केजरीवाल जी हमारे प्रश्नों के जवाब दीजिये। तो मैं समझता हूं कि मैं कुछ प्रश्नों के जवाब देने के लिये आज आपकी अनुमति से यहां खड़ा हुआ हूं और।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः तरीका ठीक नहीं है। बोल रहे हैं न।

माननीय उप मुख्यमंत्रीः इससे पहले कि मैं अपनी बात तथाकथित प्रश्नों के जवाब में रखूं, इससे पहले कि मैं अपनी बात तथाकथित प्रश्नों के जवाब में रखूं मैं सबसे पहले तो जे.पी. नड्डा जी को और उनकी पार्टी को जो देश की ओर से ये कहते हैं दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है, उसको किसी एक बड़ी उपलब्धि के लिये बधाई देना चाहता हूं कि अभी तक ये लोग गुंडागिरी में थे, दोस्तवाद में थे, ऑपरेशन लोटस में थे, खोखा-खोखा करते थे, आज इनकी पार्टी के लोग बच्चा चुराने लगे हैं। आज इनकी पार्टी के लोग बच्चा चुराने लगे हैं। आज इनकी पार्टी के लोग बच्चा चोरी करने लगे हैं।

...व्यवधान...

माननीय उप मुख्यमंत्रीः अरे प्रश्नों के जवाब सुनने की हिम्मत रखिये न।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः बैठिये आप। बिधूड़ी जी, बिठाईये। बिष्ट साहब। बिधूड़ी जी।

...व्यवधान...

माननीय उप-मुख्यमंत्रीः ये बच्चा चोर पार्टी के लोग क्या उंगली दिखा रहे हैं मैडम।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः सिर्फ अभय वर्मा जी को पूरे दिन के लिए बाहर करिये। अभय वर्मा जी को पूरा दिन के लिये बाहर करिये। देखिये ये सत्ता पक्ष के

सारे साथी बैठ जाईये एक बार, सता पक्ष के सारे साथी बैठिये। एक मिनट अजय महावर जी, अजय महावर जी, मोहन सिंह बिष्ट जी, बिधूड़ी जी, मैंने इतनी सुंदर व्यवस्था बनाई थी और मैंने आपको ये बोला था कि इनके वक्तव्य के बाद मंत्री जी के वक्तव्य के बाद मैं आपके लिये रूलिंग दूंगी। कहा था मैंने। इनको बिठाइये।

...व्यवधान...

(प्रतिपक्ष के सदस्य वैल में आ गये)

माननीया अध्यक्षः बिठाईये एक बार। अजय महावर जी, सीट पर चलिये, ओपी शर्मा जी। थोड़ा सहयोग करें सदन को चलाने में, और जब मैं खड़ी हूं, अगर मैं खड़ी हूं तो आपको अपनी चेयर पर वैसे भी चले जाना चाहिये। बिल्कुल करेंगे, आप बैठिये। बिल्कुल करेंगे बैठिये तो।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप बैठिये मैं बिल्कुल चर्चा करूंगी। ओपी शर्मा जी। आप बहुत सीनियर हैं, बहुत सीनियर सदस्य हैं आप लोग बैठिये। बैठिये आप लोग। मैं लूंगी आपके ये मेरे पास हैं। मैं आपकी रूलिंग लूंगी। आपकी रूलिंग लूंगी लेकिन आप बैठिये।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः हां तो आयेगा न, बैठिये तो सही। आप अनुशासन तो बनाईये। आप सहयोग तो करें।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप लोग सहयोग तो करें।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः बिधूड़ी जी कोई तरीका नहीं है।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः बिधूड़ी साहब, फिर आप कहेंगे, हमारी बात नहीं सुनाई देती। फिर आप लोग कहेंगे हमारे को सुना नहीं जाता है। मैं आखिरी बार..

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः मैं आखिरी बार आप लोगों से विनती कर रही हूं..

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः मैं आखिरी बार, विपक्ष के आप पांचों साथियों से विनती कर रही हूं कि आप लोग या तो अनुशासित तरीके से बैठ जायें, नहीं मुझे आपको भी बाहर करना पड़ेगा।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः बिधूड़ी जी, को छोड़कर इन सबको पूरा दिन के लिए बाहर करें।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः रामवीर बिधूड़ी जी को छोड़कर इन सब सदस्यों को पूरा दिन के लिए बाहर किया जाए।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः सबको...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः आप सहयोग ही नहीं कर रहें। ये गलत बात है। नहीं।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः मैंने बैठते ही क्या व्यवस्था दी, बैठते ही आप लोगों के पक्ष में व्यवस्था दी थी। विपक्ष के पक्ष में व्यवस्था दी थी बैठते ही।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः बैठते ही विपक्ष के पक्ष में व्यवस्था दी थी कि पहले उप–मुख्यमंत्री जी बोल लें और उसके बाद आपकी बात को सुना जाएगा।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः नहीं, बिष्ट साहब। अब आप झूठ बोल रहे हैं, अब आप झूठ बोल रहे हैं।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः नहीं। विपक्ष सहयोग नहीं कर रहा है। डेढ़ दिन हो गया है, डेढ़ दिन में आपने इतना समय खराब किया। विपक्ष बिल्कुल भी सहयोग

नहीं कर रहा है। अभी आते ही व्यवस्था दी थी कि आप शांति से बैठिए, आपकी बात को भी सुना जाएगा।

(अध्यक्ष महोदया के आदेशानुसार मार्शल्स द्वारा श्री अनिल कुमार बाजपेयी, श्री अजय कुमार महावर, श्री मोहन सिंह बिष्ट, श्री जितेंद्र महाजन एवं श्री ओम प्रकाश शर्मा को सदन से बाहर ले जाया गया।)

(श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी, माननीय-नेता, प्रतिपक्ष भी अपने साथियों के साथ सदन से वॉकआउट कर गए।)

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः माननीय उप-मुख्यमंत्री महोदय जी।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः माननीय उप-मुख्यमंत्री जी।

माननीय उप-मुख्यमंत्री (श्री मनीष सिसोदिया): धन्यवाद अध्यक्षा महोदय। विपक्ष के साथियों को अगले प्रोग्राम में जाना है इसलिए वो बहाने ही ढूंढ रहे थे कि किस बहाने से जाया जाए।

...व्यवधान...

माननीय उप-मुख्यमंत्रीः तो मैं...

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः बाजपेजी जी, बाहर चलें।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः बाजपेयी जी।

...व्यवधान...

माननीय उप-मुख्यमंत्रीः अध्यक्षा महोदय, मैं...

...व्यवधान...

माननीय उप-मुख्यमंत्रीः मैं बहुत सम्मान के साथ आपका धन्यवाद करना चाहता हूं कि आपने मुझे, मेरे विशेष अनुरोध पर मुझे बोलने का अवसर दिया। पिछले कई दिनों से ये बात उठाई जा रही है, प्रश्नों के जवाब दो, प्रश्नों के जवाब दो, प्रश्नों के जवाब दो। अब चले गये ये लोग, इनकी पार्टी के नेता ने भी कल बोला अरविंद केजरीवाल जी आप प्रश्नों के जवाब नहीं दे रहे हैं। मैं बहुत जिम्मेदारी के साथ इस सदन में कहना चाहता हूं और देश के समक्ष रखना चाहता हूं कि अरविंद केजरीवाल जी ने भी, मैंने भी, पार्टी के अन्य साथियों ने भी, सरकार के साथियों ने भी हर प्रश्न का जवाब दिया है, हर प्रश्न का। इनके प्रश्न नहीं बचे हैं। अब झूठ का जवाब दो। अब कह रहे हैं हम झूठ बोलेंगे, उसका जवाब दो, हम बोलेंगे 8 हजार करोड़ का घोटाला हो गया, बोले अब इसका जवाब दो, अरे झूठ का क्या जवाब देना है। फिर पूछ लेते हैं भई 8 हजार करोड़ का कहां हुआ है, तो बोलते हैं नहीं-नहीं वो हमारा पहला वाला तो झूठ था, सच ये है डेढ़ लाख करोड़ का घोटाला हुआ, फिर हम कहेंगे ये तो झूठ, महाझूठ है, इसका क्या जवाब देना है। तो बोलेंगे नहीं-नहीं, डेढ़ हजार करोड़ का नहीं हुआ, 11 सौ करोड़ का हुआ था, इन्हीं के नेता

बोलते हैं। ये इनकी पार्टी के अध्यक्ष जो कल जे.पी. नड्ड़ा जी बोल रहे थे कि प्रश्नों के जवाब नहीं दे रहे केजरीवाल जी। कौन से प्रश्न का जवाब दें। आपने बोला 8 हजार करोड़ का घोटाला है, हमने कहा झूठ बोल रहे हो, महाझूठ बोल रहे हो। इन्होंने कहा डेढ़ लाख करोड़ का घोटाला हो गया, मैंने कहा बजट ही नहीं है दिल्ली सरकार का डेढ़ लाख करोड़ का तो, 75 हजार करोड़ का बजट है, झूठ बोल रहे हो, फिर चुप हो गये। फिर बोले 11 सौ करोड़ का घोटाला हो गया, मैंने कहा झूठ बोल रहे हो। सारे प्रश्नों के जवाब दिये इनके। फिर बोले नहीं-नहीं, 144 करोड़ का घोटाला हो गया, मैंने कहा ये भी झूठ है तुम्हारा, बकवास कर रहे हो। बोले हां, बकवास कर रहे होंगे, चलो 30 करोड़ का है। बोले, अपनी सारी बातों को खुद ही झूठ करते जा रहे हैं और हमसे कह रहे हैं जवाब दो। सारे प्रश्नों के जवाब दिये हैं। फिर बोल रहे हैं, नहीं-नहीं 30 करोड़ का भी नहीं है जी, सी.बी.आई. में इन्होंने, सी. बी.आई. तो इनकी है, सी.बी.आई. से लिखवाया एक्स कम्पनी ने वाई कम्पनी को बैंक में एक करोड़ रूपये ट्रांस्फर किये हैं, ये मनीष सिसोदिया का घोटाला है, हमने कहा झूठ है। किसी कम्पनी ने किसी कम्पनी को कोई पैसा दिया होगा तो वो मनीष सिसोदिया का हो गया, तो ये भी झूठ है इनका। सारे प्रश्नों के इनको जवाब दिये हैं अध्यक्षा महोदय।

मैं कहना चाह रहा था कि, सुनते ये लोग यहां बैठकर, मैं तो इनको बधाई दे रहा था कि जे.पी. नड्डा जी इनकी पार्टी के अध्यक्ष है, कल उन्होंने अरविंद केजरीवाल जी को बार-बार कहा प्रश्नों के जवाब दो, प्रश्नों के जवाब दो। मैंने सोचा मैं बधाई दे देता हूं जे.पी. नड्डा जी के नेतृत्व में और आदरणीय

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में पार्टी बड़ी हो गई है और बड़ी होते-होते, देश की बड़ी पार्टी हो गई है, कहते हैं दुनिया की सबसे पार्टी हो गई है। गुंडागिरी से शुरू हुई, गुंडागिरी करते-करते दोस्तवाद पर आ गये, दोस्तवाद को करते-करते 'ऑपरेशन लोटस' और खोखा-खोखा करने लगे। वहां से करते-करते, बधाई है इन लोगों की कि इनकी पार्टी अब बच्चा चोरी तक पर आ गई है। रेलवे स्टेशन पर, रेलवे स्टेशन पर सवारियों के सोये हुए बच्चे ये लोग चोरी कर रहे हैं, ये इसी लायक हैं, इसी के लिए बने हैं, इनको बधाई हो, अपनी गति को प्राप्त हो रहे हैं, अपनी गति को प्राप्त हो रहे हैं। नारकीय काम करते हैं लेकिन उसके बावजूद मैंने कहा कि मैं प्रश्नों के जवाब दे रहा हूं। सारे प्रश्नों के जवाब दिये हैं अब तक, सारे प्रश्न इनके झूठे हैं, सारे प्रश्न इनके मनगढंत हैं, कोई फैक्ट नहीं हैं। मैं, मैंने कहा कि आपने सी.बी.आई. भेजी है, मैं एक-एक प्रश्न का जवाब दूंगा। मैं अपने घर में सी.बी.आई. को वेलकम किया। मैंने कहा मैं पूरा सहयोग करूंगा, मेरा पूरा परिवार सहयोग करेगा, घर तलाश लो, कुछ मिले तो बताओ, जो सवाल पूछने हैं, पूछो। 14 घंटे तक मेरे घर में सी.बी.आई. रही। 14 घंटे तक में जो उन्होंने पूछा, देखना चाहा देखा, पूछना चाहा पूछा, मैंने हर प्रश्न का जवाब दिया। जे.पी.नड्डा जी सी.बी.आई. भेजी थी, उसी से पूछ लो। अगर मेरी बात यहां पब्लिक में समझ में नहीं आती है तो सी.बी.आई. तो आपकी भेजी हुई थी, उससे पूछ लो। भई मनीष सिसोदिया ने इस प्रश्न का क्या जवाब दिया, जो यहां खड़े होकर दे रहा हूं, वो वहीं दिया। क्या जवाब दें? जवाब तो सारे दे दिये। आप अपनी सी.बी.आई. पर ही भरोसा नहीं कर रहे कि सी.बी.आई. वाले आपको सच बतायेंगे। सी.बी.आई. वाले भी कह रहे हैं जी हम संतुष्ट हैं, इनके घर से कुछ नहीं मिला। सी.बी.आई. वाले भी कह

रहे हैं जी पूरा घर छानमारा, कुल मिलाकर मतलब छोटे से खर्चे के पैसे घर पर मिले। बीवी के छोटे से गहने, मतलब अभी मजाक कर रहे थे बाहर निकल के लोग आज अभी मैं लॉकर से आ रहा हूं इनको लग रहा था बहुत लॉकर में पता नहीं क्या क्या सामान होगा, क्या क्या सामान होगा कुल मिला के सत्तर अस्सी हजार रूपये का उसमें गोल्ड के भी छोटा मोटा है, उसमें चेन भी है, उसमें बच्चा पैदा हुआ था मेरा पंद्रह साल पहले, उसका झुनझुना भी है। वो सारा मिला के सत्तर अस्सी हजार रूपये आज की वैल्यू का सामान नहीं निकला। फिर जब इनका नहीं चला फिर झूठ, अब जवाब तो ये दें कहां से झूठ बोलते हैं इन्होंने अभी अभी थोड़ी देर पहले मैं वहां से चला, मैं बता के चला सारे मीडिया को कि मेरे घर से कुछ नहीं निकला। मेरे बैंक लॉकर का इतना इन्होंने हल्ला मचाया। बैंक लॉकर तलाशेंगे, बैंक लॉकर तलाशेंगे उसमें से निकलेगा उसमें भी कुछ नहीं निकला। मैंने सारा बताया मेरे पास सारे सर्च मैमो हैं, क्लीन चिट मिली है मुझको। प्रधानमंत्री जी ने सीबीआई मेरे घर पे भेज दी वहां कुछ नहीं मिला। प्रधानमंत्री जी की सीबीआई को मेरे बैंक लॉकर में तलाश लिया वहां भी कुछ नहीं मिला कि मुझे कह सकें कि ये भ्रष्टाचार कर रखा है देखो ये पैसा कहां से आया? देखो ये सोना कहां से आया? देखो ये प्रापर्टी कहां से आई? क्लीन चिट है मेरे लिए ये सीबीआई की। प्रधानमंत्री जी की क्लीन चिट है ये। सीबीआई वाले भी मान रहे हैं कि संतुष्ट हैं, बोले कुछ नहीं मिल रहा जी। पर बेचारे कहते हैं दबे पांव कि जी देखो प्रधानमंत्री जी का दबाव बहुत है गिरफ्तार तो करना पड़ेगा, वैसे तो क्लीन चिट ही है आपके यहां से जो कुछ दिख रहा है उसमें तो क्लीन चिट ही है पर दो तीन महीने के लिए तो बहुत दबाव है कि आपको जेल में डालना है। मैं कहता हूं कह दो यार,

अपनी नौकरी बचाने के लिए डाल दो जेल में। इस देश के भले के लिए दो चार महीने जेल में भी रह लेंगे कोई आफत नहीं होनी चाहिए। मैं एक एक प्रश्न का जवाब दे रहा हूं। इनके भी प्रश्नों का जवाब दिए, प्रैस कॉन्फ्रेंस में खड़े होकर जवाब दिए। सीबीआई के सामने खड़े होकर जवाब दिए, बैंक में लॉकर में खड़े होकर जवाब दिए। अब कह रहे हैं प्रश्न के जवाब नहीं दे रहे हैं। हवा बना रखी है कि प्रश्नों के जवाब नहीं दे रहे? प्रश्नों के जवाब नहीं दे रहे। आज जब मैं चला वहां से बैंक से सीधे यहां आया हूं, बैंक लॉकर अपना रेड कराके, अपना लॉकर पूरा इन्सपैक्शन करा के, रास्ते में अब ये झूठ के पर नहीं होते फैलाना शुरू कर दिया मीडिया को, मनीष सिसोदिया के यहां से प्रापर्टी के दस्तावेज मिले? मनीष सिसोदिया के यहां से मैंने पूछा भई कौन सी प्रापर्टी के दस्तावेज मिले, मुझे जो सर्च मीमो दिया है, मेरे किसी बैंक लॉकर में नहीं निकले, मेरे किसी सर्च मीमो में नहीं लिखे, ये कौन सी प्रापर्टी के दस्तावेज हैं जो हवा में क्रिएट हो रहे हैं। मैं मीडिया के साथियों को भी इस सदन के माधयम से कहना चाह रहा हूं तथ्यों पर रहिए, ईमानदारी पर रहिए। मैं ये नहीं कह रहा मेरा साथ दीजिए, मैं ये नहीं कह रहा यहां बैठे लोगों का साथ दीजिए, सच का साथ दीजिए। आपको मजबूरी में हमारा साथ देना पड़ेगा। सच का साथ दीजिए और सच्चाई की ताकत पर भरोसा है कि आप आप केवल सच के साथ खड़े रहेंगे मीडिया वाले या जो झूठ फैलाते हैं मीडिया वाले से अभी सोर्सिज़ से प्लांट कराया, तुरंत एक दो टीवी चैनल पर चलने लगा कि जी प्रापर्टी के कागजात निकले। मैंने कहा यार कौन से प्रापर्टी के कागजात निकल गए भाई, मेरे सामने तो निकले नहीं लॉकर से और मेरे सामने तो कहीं सर्च मीमो में भी नहीं लिखे, सर्च मीमो मेरी गाड़ी में रखा है अभी। उसमें भी कहीं

नहीं लिखे हुए कि जी प्रापर्टी के कागजात। ये बीजेपी वाले मीडिया को कौन से कागजात दे रहे हैं, कौन सी सीबीआई और घूम रही है इसके भी जवाब पूछेगें इनसे। तो अध्यक्षा महोदय इन्होंने सारी जांच करा ली। पहले ये लिकर लिकर, शराब शराब चिल्लाते रहे। जब शराब में कुछ नहीं निकला तो अब थोड़े दिन पहले से तीन चार दिन पहले से स्कूल स्कूल चिल्लाने लग रहे हैं। स्कूल में क्या कह रहे हैं बोले केजरीवाल जी ने पहली मीटिंग में कहा था चार हजार कमरे बनाएंगे, आठ हजार कमरे क्यों बनवा दिए। भ्रष्टाचार कर दिया। अरे हमने तो आठ हजार नहीं बीस हजार कमरे बनवाए हैं और हमें फख्र है कि हमने बनवाए हैं और लानत है तुम लोगों पर जो सोचते हो स्कूल बनवाना और कमरे बनवाना भ्रष्टाचार है। आठ हजार कमरे बनवा दिए बोले जी आठ हजार क्यूं बनवाए, चार हजार बनवाने चाहिए थे ये तो भ्रष्टाचार है। फिर बोले जी टॉयलेट ज्यादा क्यूं बनवा दिए। बोले पहली फ्लोर पर टॉयलेट था, दूसरी पर क्यूं था तीसरी और चौथी मंजिल चलो बना भी ली तो उस पर टॉयलेट क्यूं बनवा दिए। ये कह रहे हैं भ्रष्टाचार है, ज्यादा टॉयलेट बनवाना भ्रष्टाचार है, ज्यादा कमरे बनवाना भ्रष्टाचार है। सारी चीजों के जवाब हैं, सारी चीजों के जवाब हैं फिर जब वो भी नहीं चला तो कल इन्हीं की सीबीआई या इन्हीं के एलजी हैं इन्हीं के सब हैं एलजी साहब की तरु से एक फरमान जारी किया, बच्चे कम हो गए हैं, ये भ्रष्टाचार है। बोले स्कूल में बच्चे कम हो गए हैं, बजट बढ़ रहा है अरे बजट बढ़ा रहे हैं हम फख्र के साथ कहते हैं और ये विधानसभा शायद देश की पहली आजाद इतिहास में आजादी के इतिहास में 75 साल में पहली विधानसभा है जो पिछले सात साल से अपने बजट का 25 परसेंट बजट एजुकेशन पर देती है। इस विधानसभा के और विपक्ष वाले भी कहते हैं कि जी बहुत

गर्व है कि हम एजुकेशन पर इतना बजट पास करके देते हैं, कहते हैं बजट ज्यादा कर दिया, भ्रष्टाचार हो गया। फिर बोले नहीं नहीं।

बजट तो चलो ठीक है ज्यादा कर दिया बच्चे कम हो गये, मैंने कहा यार ज़रा डेटा दिखाना मुझको, भारत सरकार की वेबसाइट पर ही डेटा पड़ा हुआ है जिसमें लिखा हुआ है कि 2014 में 2014-15 में यहां साढ़े चौदह लाख बच्चे होते थे दिल्ली के स्कूलों में आज 18 लाख बच्चे हो गये हैं सारा डिटेल भारत सरकार की वेबसाइट पर है। हवा में से कुछ लाते हैं फिर कहते हैं प्रश्नों के जवाब दीजिये अब झूठ के पैर हैं क्या। आपके झूठ का भी जवाब दिया है हमने की झूठ बोल रहे हो-झूठ बोल रहे हो। मैं कहना चाहता हूं कि आपने खूब रेड मचाई मेरे घर में, खूब तमाशा किया आपके सीबीआई के भी सारे प्रश्नों के जवाब दिये आप सीबीआई से पूछ लो आपको मेरे प्रश्नों के जवाब मेरे उससे मिले हों मैंने बता दिया कुछ नहीं मिला कहीं कुछ नहीं है और सब बकवास है सब झूठ है फिर भी रोज़ खड़े होकर कहते हैं जवाब दो, जवाब दो, जवाब दो, जवाब दो। हमने तो आपके एक-एक सवाल का जवाब दिया अब आप हमें जवाब दो। ये सदन कल से पूछ रहा है बार-बार। इस सदन में बार-बार उठ रहा है, देश में पूरा सवाल उठ रहा है। मैं प्रश्न पूछता हूं और जे.पी. नड्डा जी और भारतीय जनता पार्टी के नेताओ जवाब दो कि प्रधानमंत्री जी ने दूध और दही पर भी जीएसटी लगाकर इतना पैसा सरकार में कमवाया, आम जनता से इतना पैसा लिया प्रधानमंत्री जी ने दूध और दही जैसी चीज़ों पर भी बिस्किट पर जीएसटी लगाकर आम आदमी के चाय-बिस्किट पर भी जीएसटी लगाकर जितना पैसा कमाया उसको अपने दोस्तों के कर्ज माफी

करने में क्यों लगाया इसका जवाब दो। ये देश इस हालत में क्यों पहुंच गया कि दूध, दही और चाय और बिस्किट पर भी जीएसटी लगेगा और उस जीएसटी से इकट्ठा पैसा प्रधानमंत्री जी के दोस्तों के कर्जे माफी में इस्तेमाल होगा ये क्यों हुआ इसकी सीबीआई जांच कराओ। इसका जवाब दो कि लोगों के दूध, दही, चाय, बिस्किट पर टैक्स लगा–लगाकर इकट्ठा किया गया जीएसटी का पैसा प्रधानमंत्री जी ने अपने दोस्तों के कर्ज माफी पर क्यों खर्च किया इसका जवाब दो आज इसका जवाब दो हमने तो आपके सवालों के जवाब बहुत दिये हैं। ऑपरेशन लोटस आप लोगों ने किया, ऑपरेशन लोटस में पूरे देश में एमएलएज़ खरीदे, हमारे यहां भी खरीदने की कोशिश की लेकिन बिके नहीं लेकिन रेट पता चल गये। इसी रेट के हिसाब से भी अगर देखें तो 63 सौ करोड़ रुपये इन्होंने एमएलएज़ खरीदने पर खर्च किये हैं। ये 63 सौ रुपये कहां से आया जे.पी. नड्डा जी और प्रधानमंत्री जी इस बात का जवाब दो, सीबीआई की जांच करो, ईडी की जांच करो कि एमएलए खरीदने के लिये और खरीदे गये एमएलएज़ को बड़े–बड़े फाइव स्टार होटलों में रूकवाने का पैसा कहां से आया इस बात का जवाब दो ये 63 हज़ार करोड़ रुपया कहां से आया 63 सौ करोड़ रुपया कहां से आया। ये पेट्रोल और डीज़ल के दाम बढ़ा–बढ़ाकर जो जनता की लूट चल रही है और उससे एमएलए की खरीद हो रही है ना अब जनता इस पर जवाब मांग रही है इसका जवाब दो कि पेट्रोल और डीज़ल के दाम बढ़ा–बढ़ाकर जनता को लूट रहे हैं एक आदमी स्कूटर भी चला रहा है छोटी सी स्कूटी भी चला रहा है तो वहां भी पेट्रोल और डीज़ल मंहगे हो जाते हैं और फिर एमएलए खरीद रहे हैं इसका जवाब दो ये कहां से आया और आखरी चीज़ जो सदन पूछ रहा है पिछले दो दिन से की दिल्ली के उप–राज्यपाल महोदय,

माननीय श्री विनय सक्सैना जी 14 सौ करोड़ रुपये के नोट बदलवाये आपने जब आप खादी ग्रामोद्योग के चेयरमैन थे वो 14 सौ करोड़ रुपये की सीबीआई जांच कब होगी वो मनी लॉड्रिंग था उसका जवाब दो कि उसकी जांच कब होगी। उनके यहां रेड कब होगी। इस बात का सबूत तो यह है कभी किसने बोला शायद यहां किसी साथी ने ही बोला कि कैशियर ने कबूल किया है कि मुझे तो सक्सैना साहब कहते थे विनय कुमार सक्सैना जी कहते थे जो कि चेयरमैन थे उस वक्त की भई ये बदल दो इसलिये बदले जा रहे थे, जांच में कबूल किया है लेकिन उनके खिलाफ न सीबीआई इंक्वायरी हो रही है उनके खिलाफ सीबीआई, ये मनी लॉड्रिंग था खुले आम मनी लॉड्रिंग था नोटबंदी के दोरान इस तरह का काम। 14 सौ करोड़ रुपये की मनी लॉड्रिंग में दिल्ली के उप-राज्यपाल का नाम उछल रहा है इनके खिलाफ सीबीआई की जांच कब होगी, इनके यहां ईडी की रेड कब होगी इस बात का जवाब दो। तीन प्रश्नों के जवाब ज्यादा नहीं पूछ रहा आज मेरे तीन प्रश्नों के जवाब दें भारतीय जनता पार्टी वाले कि जीएसटी बढ़ा-बढ़ाकर, बढ़ा-बढ़ाकर दूध, दही, चाय, बिस्किट पर भी जीएसटी बढ़ा-बढ़ाकर प्रधानमंत्री जी के दोस्तों के कर्जे क्यों माफ किये जा रहे हैं इसकी सीबीआई जांच क्यों नहीं हो रही है इसका जवाब दो पहली बात, दूसरी बात ऑपरेशन लोटस का एमएलएज़ को खरीदने का फाइव स्टार खर्चो का पैसा कहां से आ रहा है ये सारा जवाब दो ये सब बेईमानी का पैसा है पेट्रोल और डीज़ल के दाम बढ़ा-बढ़ाकर लाया जा रहा है और तीसरा उप-राज्यपाल महोदय पर आज जो सवाल उठे हैं कि 14 सौ करोड़ रुपये की मनी लॉड्रिंग में ष्टाामिल हैं वो उनके खिलाफ सीबीआई जांच क्यों नहीं हो रही

है इस बात का जवाब दो इन तीन प्रश्नों का जवाब दो हम मान जायेंगे कि आपके पास जवाब है नहीं तो पॉलिटिकल स्टंट तो सब करते हैं बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्षा महोदय।

(पक्ष के सभी सदस्य नारे लगाते हुये वैल में आ गये)

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः बैठिये, बैठिये।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः सारे साथी अपनी सीट पर जायें। सभी सदस्य अपनी-अपनी सीटों पर जायें। अपनी सीट पर चलें दुर्गेश जी, दुर्गेश जी अपनी सीट पर चलें। चौधरी साहब, चौधरी सुरेन्द्र जी।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः अपनी सीट पर चलें। सभी सदस्य अपनी-अपनी सीट पर चलें। सौरभ भारद्वाज जी सीट पर चलिये, करेंगे सीट पर चलें। माननीय उप-मुख्यमंत्री जी सदन में हैं अपनी सीट पर चलें। सब लोग अपनी-अपनी सीट पर चलें।

...व्यवधान...

माननीया अध्यक्षः अब सदन की कार्यवाही कल बुधवार दिनांक 31 अगस्त, 2022 को प्रातः 11.00 बजे तक के लिये स्थगित की जाती है।

नियम-270(1) के तहत

माननीय उपमुख्यमंत्री का वक्तव्य 30 30 अगस्त, 2022

(सदन की कार्यवाही बुधवार दिनांक 31 अगस्त, 2022 को प्रातः 11.00 बजे तक के लिये स्थगित की गई)

...समाप्त...

© दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, 1991 की धारा 18 (2) के उपबंधों तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली विधान सभा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 281 (2) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रकाशित तथा ग्राफिक प्रिंटर्स, 2965 /41, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली-110 005 द्वारा मुद्रित।